प्रकाशन तिथि : 15 जनवरी, 2023
प्रेषण तिथि : 19 जनवरी, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 21 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

पूज्य तनसिंह जी के विचार है फाउंडेशन का केंद्रीय बिंदुः संरक्षक श्री

(उत्साह से मनाया श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का पांचवां स्थापना दिवस)

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की स्थापना 12 जनवरी 2019 को संघशक्ति जयपुर में हुई। आज चार वर्ष पूरे कर के पांचवें वर्ष में हम प्रवेश कर रहे हैं। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की गतिविधियों का केंद्र बिंदु श्री क्षत्रिय युवक संघ है, पूज्य श्री तन सिंह जी के विचार हैं। श्री प्रताप फाउंडेशन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, श्री प्रताप युवा शक्ति - ये सब श्री क्षत्रिय युवक संघ की ही आनुषंगिक संस्थाएं हैं और सब का उद्देश्य थोड़ा-थोड़ा भिन्न है पर मूल बात एक ही है। क्षत्रियों को क्षात्र धर्म का पालन करने में प्रवृत्त करना। जीवन का उद्देश्य ईश्वर को प्राप्त करना है और अपने स्वधर्म का पालन करते हुए ईश्वर को प्राप्त करना बहुत आसान होता है। इसीलिए पूज्य तनसिंह जी ने गीता के मार्ग को अपनाते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना युवकों को संस्कारित करने के लिए की। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के पांचवे स्थापना दिवस पर आशीर्वचन प्रदान करते हुए अपने वर्चुअल संदेश में कही। उन्होंने कहा कि समाज में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य की बढ़ती मांग के कारण आनुषंगिक संगठन बनाने की आवश्यकता महसूस की गई, इसीलिए श्री क्षात्र

पुरुषार्थ फाउंडेशन की स्थापना हुई। फाउंडेशन ने अनेकों जगह पर बैठकें बुलाई। जिला हेडक्वार्टर पर, तहसीलों में, छोटे नगरों में, बड़े नगरों में जा जा कर के कार्य किया। यह कार्य पूज्य श्री तनसिंह द्वारा स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ की प्रेरणा से हुआ। समाज के सामने अनेकों चुनौतियां हैं। इनमें कुछ काम ऐसे हैं जो सरकार के माध्यम से ही पूरे हो सकते हैं इसलिए सबको साथ ले करके सरकार के सामने बात रखी। राज्य सरकार के साथ भारत सरकार तक भी संवैधानिक मयार्दाओं को ध्यान में रखते हुए बात पहुंचाई गई। आग लगाने की बात हम नहीं करते। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन ने सबसे तालमेल करके संवैधानिक साधनों का उपयोग करते हुए कार्य किया। इसी से ईडब्ल्यूएस को लागू कराने में सफलता मिली। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

श्रेष्ठ कर्मों से सिद्ध करें अपनी श्रेष्ठताः संघप्रमुख श्री

(ग्यारह शिविरों में 1350 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

'भूतानां प्राणिनः श्रेष्ठाः प्राणिनां बुद्धिजीविनः। बुद्धिमत्सु नराः श्रेष्ठा नरेषु क्षत्रियाः स्मृताः।' मनुस्मृति के इस श्लोक के अनुसार मनुष्यों में क्षत्रिय श्रेष्ठ है। जब क्षत्रिय श्रेष्ठ हैं तो उसकी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए वैसा आचरण भी दिखना चाहिए। हम अपने मुंह मियां मिठू बनें कि हम श्रेष्ठ हैं लेकिन अपने कहने से कोई कभी श्रेष्ठ नहीं हुआ करता है। जब दुनिया कहती है तब वास्तव में श्रेष्ठता सिद्ध होती है। श्रेष्ठ तभी हुआ जा सकता है जब श्रेष्ठ कार्य किए जाते हैं। यदि हमारे पूर्वजों की बात करें तो उन्होंने इस प्रकार की श्रेष्ठता सिद्ध की, उन्होंने इस प्रकार के श्रेष्ठ कार्य किए तब शास्त्रों में हमें श्रेष्ठ बताया गया। आज से 76 वर्ष पूर्व पूज्य तनसिंह जी ने यह अनुभव किया कि हम इन शास्त्रीय वचनों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, तब उन्होंने श्री

क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना का विचार मन में किया होगा कि इस श्लोक में जो बात कही गई है उसको हम सिद्ध करें, क्षत्रिय वापस वैसे कर्म करे जिससे वह अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर पाए। ज्यों-ज्यों व्यक्ति विकास करता है त्यों-त्यों उसका दायित्व बढ़ता जाता है। भगवान ने हमको क्षत्रिय कुल में जन्म दिया है जो श्रेष्ठतम कुल है, इसलिए हमारा और अधिक उत्तरदायित्व बढ़ जाता है। उस उत्तरदायित्व को वहन करने से ही हमारी श्रेष्ठता सिद्ध होगी। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

जगन्नाथ पुरी में दंपती शिविर व यात्रा का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ का इस वर्ष का दंपती शिविर जगन्नाथ पुरी (ओडिशा) और शक्तेशगढ (उत्तरप्रदेश) की यात्रा के रूप में आयोजित हो रहा है। माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर एवं माननीय संघप्रमुख लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में आयोजित इस शिविर में भाग लेने हेतु राजस्थान और गुजरात के विभिन्न संभागों से दंपती 7 जनवरी को रेल द्वारा अपनी यात्रा प्रारंभ करके 9 जनवरी को जगन्नाथपुरी पहुंचे। यहां पहुंचने के पश्चात माननीय संरक्षक श्री ने सभी का परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात दोपहर में सभी समुद्र तट पर

पहुंचे जहां पद्मश्री से सम्मानित स्थानीय कलाकार सुदर्शन पटनायक द्वारा समुद्र तट की रेत से बनाई गई श्री क्षत्रिय युवक संघ के लोगो की प्रतिकृति को देखा। तत्पश्चात सभी जगन्नाथपुरी में स्थित शंकराचार्य जी के मठ में पहुंचे। यहां दर्शन के बाद शंकराचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। संरक्षक महोदय ने धर्म, संस्कृति, राष्ट्रीयता आदि विषयों पर उनसे चर्चा की। शंकराचार्य जी ने कहा कि क्षत्रिय का कर्तव्य है सबकी रक्षा करना। शास्त्र के अनुसार जो क्षति से बचाए वो ही क्षत्रिय है। यदि सवा लाख सच्चे क्षत्रिय तैयार हो जाए तो राष्ट्र और संस्कृति का उत्थान होकर रहेगा। रात्रि भोजन में जगन्नाथ जी मंदिर में बन रहे महाप्रसाद को ग्रहण किया। रात्रि 8:30 बजे जगन्नाथ महाप्रभु जी के दर्शन करने के लिए मंदिर गए जहां संरक्षक श्री व संघप्रमुख श्री के साथ सभी दंपतियों ने दर्शन किए। अगले दिन 10 जनवरी को सुबह 5:30 बजे समुद्र तट पहुंचकर वहां सूर्योदय के दर्शन किए। दोपहर के भोजन के बाद कोणार्क सूर्य मंदिर में दर्शन किए। 11 जनवरी को समुद्र तट पर महिलाओं व पुरुषों के अलग-अलग पथक बनाकर खेल खेले गए। तत्पश्चात समुद्र स्नान भी हुआ। दिन में सभी जगन्नाथ पुरी से बस द्वारा भुवनेश्वर पहुंचे। यहां नंदनकानन चिड़ियाघर देखने के बाद सभी कला मंदिर पहुंचे जहां ओडिशा की विविध लोक कलाओं से संबंधित कलाकृतियों को देखा।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

श्रेष्ठ कर्मों से सिद्ध करें अपनी श्रेष्ठता: संघप्रमुख श्री

कचनारा

पिपलिया मंडी

पुंदलसर

(पेज एक से लगातार)

जिसको जानकारी नहीं है उसका उत्तरदायित्व इतना नहीं होता, लेकिन जिस को जानकारी हो जाए कि क्या अच्छा है और क्या बुरा है और फिर भी जो अपने उत्तरदायित्व को पूरा नहीं करता है, वह पाप करता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में आकर, संघ के दर्शन को पाकर पूज्य तनसिंह जी के विचारों को हम ग्रहण करते हैं तो हमारा उत्तरदायित्व और बढ़ जाता है। हमारा उत्तरदायित्व केवल उसको ग्रहण करने तक ही नहीं है बल्कि हमारा दोहरा उत्तरदायित्व बन जाता है कि हम को स्वयं को तो इस ज्ञान को ग्रहण करना ही है, स्वयं के जीवन को तो बदलना ही है पर उसके बाद में दूसरों को भी यह बात बतानी है, दूसरों का जीवन भी बदले ऐसी प्रक्रिया को अपनाना है। हमें लोकसंग्रह को अपनाना है। लोकसंग्रह को तभी अपनाया जा सकता है जब हमारा जो ध्येय हमने माना है उस ध्येय के प्रति हम निष्ठावान बनें। यदि हम अपने ध्येय के प्रति निष्ठावान नहीं है, यदि हम अपने उत्तरदायित्व को पूरा नहीं करते हैं तो किसी अन्य को भी हम उसका उत्तरदायित्व नहीं बता पाएंगे। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने भीलवाड़ा में श्री धनोप माताजी मंदिर परिसर, तोषनीवाल धर्मशाला में आयोजित माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कही। माननीय संघप्रमुख श्री के संचालन में 25 से 31 दिसंबर तक संपन्न इस शिविर में 100 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इससे पूर्व शिविर के अंतिम दिन अपने विदाई संदेश में माननीय संघप्रमुख श्री ने कहा कि इन सात दिनों में जो तपस्या हमने की है, जिस साधना में से हम निकले हैं, जिस शक्ति की उपासना हमने की है, वह इस उदासी के होते हुए भी हमारे चेहरे पर झलक रही है। आज जब हमको विदाई दी जा रही है तो हमको अनुभव हो रहा है कि जो ऐसा एक अमृतमय वातावरण हमको इन सात दिन में मिला उस वातावरण को छोड़कर आज कहां जा रहे हैं हम? हमारे मनों में आ रहा है कि गैरों में जाकर के किसको बंधु कहेंगे? जो बंधुत्व, जो प्रेम हमको यहां मिला है क्या वह उस संसार में है? हम सब जानते हैं कि नहीं है। पहले दिन हमारे को यह नहीं पता था। हमें वही संसार प्यारा लगता था, वही परिवार प्यारा लगता था लेकिन इन सात दिन में आकर हमने जाना कि वह सत्य नहीं है। वास्तव में प्रेम क्या है, बंधुत्व क्या है, समाज की आराधना क्या है, धर्म क्या है, हमने यहां आकर उसको महसूस किया और अनुभव किया कि जो कुछ हम जानते थे, वह सब अधूरा था। जो इस बात को अनुभव कर लेता है, उसके इसी प्रकार की उदासी आती है। जब इस प्रकार के वातावरण को छोड़कर जाना पड़ता है तो उदासी छाती है। लेकिन हम सदा-सदा के लिए यहां नहीं रह सकते। श्री क्षत्रिय युवक संघ ने इस शिविर में हमको जिस प्रकार से तैयार किया है, हमारे अंदर शक्ति के बीज का अंकुरण किया है, जो ज्योति हमारे हृदय में जगी है, जो तेज हमारी आंखों से निकल रहा है, उससे संसार को जगमगाना है और समाज में एक नई ऊर्जा भरनी है। वह तभी हो सकता है जब हम इन सात दिनों में किए हुए कर्म को, यहां जिये हुए जीवन को भूले नहीं। यह मानवीय स्वभाव है कि वह भूलता बहुत जल्दी है, यह हम हमारे जीवन में भी अनुभव करते हैं। हम एक अंगारे के रूप में यहां प्रज्वलित हुए हैं, हम उस अंगारे की ऊर्जा लेकर यहां से जा रहे हैं, लेकिन हमको याद रखना होगा कि उस अंगारे पर भी राख आ सकती है। हमारी उदासी इसलिए है कि हम श्री क्षत्रिय युवक संघ को छोड़कर जा रहे हैं लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ की उदासी इसलिए है कि जो कुछ हमने प्राप्त किया है, कहीं वह नष्ट नहीं हो जाए, कहीं उस पर राख नहीं आ जाए। जो प्रेम हमने यहां बांटा है, वह प्रेम की सरिता कहीं सूख नहीं जाए, यह डर बना रहता है। हमारे उस अंगारे पर राख को आने नहीं दे, यह हमारे ऊपर ही निर्भर करता है। शिविर के विदाई कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय समाजबंधुओं को माननीय संघप्रमुख श्री द्वारा यथार्थ गीता पुस्तक भी भेंट की गई। शिविर में अंतिम दो दिन केंद्रीय कार्यकारी गंगासिंह साजियाली व वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुगेरिया भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संभागप्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा सहयोगियों सहित पूरे शिविर में उपस्थित रहे।

25 दिसंबर से 4 जनवरी तक उपरोक्त शिविर सहित विभिन्न स्थानों पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के ग्यारह शिविर (छह माध्यमिक एवं पांच प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर) आयोजित हुए जिनमें लगभग 1350 युवक-

बेमला

युवतियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनमें तीन शिविर बालिकाओं के रहे। पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर मार्ग स्थित राजपूत सेवा सदन में बालिकाओं का सात दिवसीय शिविर 25 से 31 दिसंबर की अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए रश्मि कंवर देलदरी ने बालिकाओं से कहा कि क्षत्रिय समाज की नारी शक्ति की वीरता और बलिदान ने ना केवल हमारे समाज बल्कि पूरे भारतवर्ष के इतिहास को गौरवान्वित किया है। यदि भारत को अपने खोए हुए गौरव को वापस प्राप्त करना है तो हमारे समाज की मातृशक्ति को देश की भावी पीढ़ी के मार्गदर्शन का दायित्व निभाना होगा। लेकिन यह दायित्व हम तभी निभा सकेंगी जब हम स्वयं संस्कारित होंगी। जब हम एक आदर्श मां, एक आदर्श पत्नी और एक आदर्श बेटी की भूमिका को निभाएंगी तभी हमारा समाज और राष्ट्र भी आदर्श बन सकेगा। शिविर में अजमेर, जयपुर, नागौर, कोटा, नाथद्वारा, जोधपुर व बीकानेर के अलावा पुरी (ओडिशा) और बेंगलुरु से कुल 72 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के अंतिम दिन समाजबंधुओं की बैठक भी रखी गई जिसमें डॉ बी.के. सिंह, महेंद्र सिंह कड़ेल, डूंगरसिंह गोविंदगढ़, कर्नल रघुवीर सिंह गोयला, देवेंद्र सिंह बाज्यास, डॉ भवानी सिंह प्रेमपुरा, विक्रम सिंह मझेवला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जालौर संभाग के पाली प्रान्त में भांगेसर रोड, पाली स्थित वन्देमातरम छात्रावास में भी सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन केन्द्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने किया। अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमने इन सात दिनों तक संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली द्वारा जो अभ्यास किया वह समूह में किया। वह आसान था। आज से हमें अपने घर परिवार में जाकर वास्तविक अभ्यास करना होगा क्योंकि वहां यह समूह हमारे साथ नहीं होगा। हम ऐसा करके अपने को संवारेंगे तभी यह भारतवर्ष पुनः कलियों वाला होगा अर्थात् पुनः अपने गौरव को प्राप्त होगा। यहां जो हमने श्रेष्ठ बातें सीखी हैं उन्हें आगे प्रसारित करना होगा। इसी से हमें और संघ को भी यश मिलेगा। जब कभी भी आपको इन गुणों की कमी पड़ती नजर आए तो इस प्रकार के शिविर में पुनः आ जाना। शिविर में धींगाणा, साकदडा, राजादण्ड, करमावास मालियान, सारंगवास, देणोक, वायद, धवला, थुम्बा, पांचोटा, गुड़ा श्यामा, ढुंढा, हुणगांव, साठिका, गादेरी, बगड़ी नगर, गुडा रामसिंह, खारिया सोढ़ा, साण्डिया, सिसरवादा, भैसाणा, खौड आदि गांवों के साथ ही पाली के राजेंद्र नगर, करणी कोलोनी और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र के 104 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में शाखाओं पर चर्चा के दौरान सम्भाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी के निर्देशन में सम्भाग में इस शिविर के बाद तेरह स्थानों पर शाखाएं प्रारंभ करने का निर्णय हुआ, साथ ही आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई। शिविर के दौरान ही 30 दिसंबर को स्नेहमिलन कार्यक्रम भी आयोजित हुआ हुआ जिसमें राजपुत सभा भवन के छोटु सिंह एडवोकेट, विक्रम सिंह, प्रेम सिंह, गजेन्द्र सिंह, भंवर सिंह साठिका, डुंगर सिंह गादेरी, जब्बर सिंह, देवेंद्र पाल सिंह देणोक, महेंद्र सिंह सान्या, वन्देमातरम एकेडमी के संचालक शक्ति सिंह सहित पाली शहर में रहने वाले समाजबंधु उपस्थित रहे। स्नेहमिलन में पाली में होने वाली संघिक गतिविधियों और उनके विस्तार के बारे में चर्चा की गई। वन्देमातरम संस्था के निदेशक राजेंद्र सिंह भाटी, करण सिंह शेखावत, नरेंद्र सिंह बधाल, परबत सिंह भुणास, प्रो जसवंत सिंह, छात्रावास अधीक्षक भगवान सिंह, भंवर सिंह डुंगरपुर सहित पूरे छात्रावास परिवार ने व्यवस्था में सहयोग किया। इसी अवधि में बाड़मेर में गेंहू रोड स्थित आलोक आश्रम में भारतीय ग्राम्य आलोकायन ट्रस्ट के तत्वावधान में माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए महेंद्र सिंह गुजरावास ने शिविरार्थियों से कहा कि हमें अपने पूर्वजों के गौरव को याद रखते हुए वर्तमान की चुनौतियों से लड़ना है। अपनी सत्ता के स्वामी की मांग को पहचान कर उसे स्वीकार करते हुए अपने आपको इस प्रकार तैयार करना है कि हम उस मांग को पूरा करने का सामर्थ्य जुटा सकें। पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा निर्मित इस पथ पर चल कर हम यह कार्य कर सकते हैं लेकिन हमें कर्मठता और निष्ठा अपने भीतर जगानी होगी। जितना हम अपने को मजबूत बनाएंगे, समाज भी उतना ही मजबूत बनेगा। शिविर में बूठ, सणाऊ, गेहूँ, केलनोर, गंगासरा, लुणू, मीठडा, डण्डाली आदि गांवों एवं बाड़मेर शहर के विभिन्न छात्रावासों से 170 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के चारों ओर स्थित पहाड़ियों पर चढ़कर केशरिया पताका भी फहराई। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

पाली

पुष्कर

धनोप माता

समारोहपूर्वक मनाया विद्या प्रचारिणी सभा का 101वां स्थापना दिवस

2 जनवरी 2023 को विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान, उदयपुर ने अपनी शतकीय शैक्षिक यात्रा को सम्पन्न करते हुए 101वें वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर भारतीय परम्परानुसार पंचकुण्डीय यज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें विश्व शान्ति के साथ मानव कल्याण व सबकी उन्नति की कामना की गई। कार्यक्रम विद्या प्रचारिणी सभा के कार्यवाहक अध्यक्ष कुंवर प्रदीप कुमार सिंह पुरावत की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं संस्थान के पूर्व छात्र कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत ने संस्थान की इस उपलब्धि पर संस्थान के विकास में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं के योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि 100 वर्ष की यात्रा निःसंदेह किसी भी संस्था के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि है। श्रेष्ठ जीवन जीने के लिए किसी भी व्यक्ति को अच्छे विचारों को धारण करना अत्यन्त आवश्यक है। आज के समय में वाग्मिता, लोक व्यवहार व संस्कार के बल पर ही जीवन में सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। छात्रों में ऐसे ही श्रेष्ठ विचार और आचरण विकसित हों, ऐसी शिक्षा भूपाल नोबल्स संस्थान एक सदी से प्रदान कर रहा है। ऑल्ड बॉयज एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. एकलिंग सिंह झाला ने कहा कि ऑल्ड बॉयज एसोसिएशन वर्षभर छात्रों के हित में विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करता है जिनमें मेधावी एवं जरूरतमन्द विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान के मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं उन पुण्यात्माओं का स्मरण किया जिनके सहयोग से संस्थान ने 100 वर्ष की अपनी यात्रा पूर्ण की। श्री कुलम आश्रम की गुरुमैया भूवनेश्वरी देवी ने भी आशीर्वचन प्रदान किया। राजस्थान उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष एवं संस्थान के वित्त मंत्री एवं पूर्व छात्र डॉ. दरियाव सिंह चूण्डावत, संस्थान के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष राजराणा गुणवन्त सिंह झाला एवं संस्थान के प्रबन्ध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी के सदस्य, भूतपूर्व सदस्य, ऑल्ड बॉयज ऐसोसिएशन के सदस्य, भूतपूर्व छात्र, वर्तमान व भूतपूर्व संकाय सदस्य, विभिन्न इकाइयों के प्रधान, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर ऑल्ड बॉयज एसोसिएशन की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया और फूटबाल का मैत्री मैच भी आयोजित हुआ।

पूज्य श्री तनसिंह जयंती समारोह का पोस्टर विमोचन

25 जनवरी को पूज्य श्री तन सिंह जी के जन्म स्थान बेरसियाला में उनकी 99वीं जयंती पर होने वाले कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन जैसलमेर स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम में 12 जनवरी को किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कहा कि पूज्य श्री तन सिंह जी ने समाज में जागृति व चेतना का शंखनाद करने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। उनके संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए हमें कार्य करना है। संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने कार्यक्रम की भूमिका बताई। वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला एवं हरि सिंह बेरसियाला ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। गंगा सिंह तेजमालता ने संघ के आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। डॉ जितेंद्र सिंह, पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी, सुनीता भाटी, पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल व भंवर सिंह साधना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पोस्टर विमोचन के बाद जयंती कार्यक्रम संदेश यात्रा रथ को भी रवाना किया गया। इस दौरान किशन सिंह भादरिया, गजेंद्र सिंह सत्तो, सवाई सिंह गोगली, मोकम सिंह अडबाला, आनंद सिंह बैरसियाला (हमीरा), तुलछ सिंह हमीरा, उदय सिंह बडोडा गांव, जितेंद्र सिंह पूनम नगर, राजपूत सेवा समिति सचिव सवाई सिंह देवड़ा, नरेंद्र सिंह बैरसियाला, गिरवर सिंह साथीन, राजेंद्र सिंह भिंयाड़, लक्ष्मण सिंह बैरसियाला, पदम सिंह रामगढ़, हरी सिंह मिठड़ाऊ, छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत सिंह तेजमालता, भोजराज सिंह, नरेंद्र सिंह, महिपाल सिंह तेजमालता, उम्मेद सिंह बड़ौड़ा गांव, गिरधर सिंह जोगीदास का गांव, कंवराज सिंह सेतरावा, मान सिंह चेलक, चंद्रवीर सिंह हमीरा, विक्रम सिंह झिनझिनयाली, प्रेम सिंह झिनझिनयाली, यशपाल सिंह लोहारकी, मोकम सिंह डांगरी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्रद्धेय आयुवान सिंह जी को दी श्रद्धांजलि

7 जनवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वितीय संघ प्रमुख श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील की 56वीं पुण्यतिथि पर स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। जयपुर स्थित केन्द्रीय कार्यालय में माननीय संरक्षक महोदय, माननीय संघप्रमुख श्री एवं माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी के सानिध्य में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की वार्षिक बैठक के दौरान पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये। बीकानेर में गांधी पार्क शाखा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेवक उम्मेद सिंह सुल्ताना ने आयुवान सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बताया। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री हनवंत राजपूत छात्रावास, पावटा (जोधपुर) में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें समुद्र सिंह आचीणा, रावल सिंह अनोपगढ आदि सहयोगी उपस्थित रहे। महाराजा श्री गज सिंह शिक्षण संस्थान (ओसियां) में भी कार्यक्रम हुआ जिसमें श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

हिमाचल प्रदेश सरकार में पांच राजपूत मंत्री

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 8 जनवरी को मंत्रिमंडल विस्तार किया जिसमें मंत्री बने सात विधायकों में से चार राजपूत हैं। इससे हिमाचल प्रदेश के नौ सदस्यीय कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत पांच राजपूत मंत्री हो गए हैं। नए बने राजपूत मंत्रियों में विक्रमादित्य सिंह, रोहित ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह और हर्षवर्धन चौहान शामिल हैं।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद की वार्षिक बैठक संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद की दो दिवसीय वार्षिक बैठक जयपुर स्थित 7-8 जनवरी को केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के निर्देशन में संपन्न हुई। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक महोदय माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने बैठक में उपस्थित सदस्यों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि हमारे द्वारा जो अच्छे कार्य हों उनका प्रचार भी होना चाहिए। केवल हम ही हमारे कार्य को न सराहे, बल्कि आमजन तक भी यह बात पहुँचे। मैं चाहता हूँ हमारे संगठन का अधिक से अधिक विस्तार हो। इसलिए सिमट कर मत रहो, अपने दायरों को और अधिक बढ़ाओ। किसी को डराओ मत और किसी से डरो भी मत। सफलता अवश्य मिलेगी। बैठक में श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सानिध्य एवं मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा कि जो काम करेगा उस पर अंगुली भी उठेगी। इसलिए इससे घबराना नहीं है बल्कि अपने कर्म में लगे रहना है। बैठक में पिछले वर्ष में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई एवं 12 जनवरी 2023 से शुरू हो रहे फाउंडेशन के पांचवें वर्ष के लिए कार्ययोजना बनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने वार्षिक अधिवेशन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा विभिन्न बिंदुओं पर कार्य के लिए सदस्यों को दायित्व सौंपे।

नवनियुक्त मंत्री को भेंट की यथार्थ गीता

गुजरात सरकार के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री बलवंतसिंह राजपूत का सम्मान समारोह श्री राजपूत युवा मंडल पलसाना (सूरत) द्वारा जोलवा गांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के सूरत प्रांत के स्वयंसेवकों द्वारा उन्हें यथार्थ गीता भेंट की गई।

संपादकीय

सचेतन होकर चुनें विचारधारा

वर्तमान युग विचारधाराओं के संघर्ष का युग है। हर व्यक्ति जाने या अनजाने किसी न किसी स्तर पर इस संघर्ष में प्रवृत्त हो रहा है। राजनीतिक दल, सामाजिक संस्थाएं, शिक्षण संस्थान, साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं, समाचार माध्यम, सोशल मीडिया आदि सभी स्तरों पर यह संघर्ष निरंतर चल रहा है। हम भी इससे अछूते नहीं हैं क्योंकि व्यक्ति के रूप में हम भी अपने विचार ऐसे ही विभिन्न माध्यमों से ग्रहण करते हैं और चेतन या अवचेतन रूप से हम भी किसी न किसी विचारधारा के साथ संबद्ध होकर इस संघर्ष में प्रवृत्त होते हैं। विचारधाराएं संगठन की जनक होती हैं और व्यक्ति संगठन के प्रतिनिधि। इसलिए इन विचारधाराओं से उद्भूत औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के रूप में व्यक्ति ही इस संघर्ष का नेतृत्व करते हैं और अन्य व्यक्तियों को अपने साथ लेने का प्रयत्न भी करते हैं। विचारधारा व्यक्ति को बदलती है तो कई बार व्यक्ति का स्वार्थ या अहंकार भी विचारधारा के व्यावहारिक स्वरूप को अशुद्ध करता है। सूक्ष्म या स्थूल रूप में यह प्रक्रिया हमारे चारों ओर घट ही रही है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस संघर्ष को लेकर सचेत होवें जिससे हम बेहोशी में किसी और के स्वार्थ की पूर्ति या अहंकार की तुष्टि के साधन बन कर इस संघर्ष में ना जुटें बल्कि जो हमारे समाज, राष्ट्र, संस्कृति और संपूर्ण मानवता के हित में हो, उसी विचारधारा के साथ सचेतन रूप से जुड़ें और उसके सक्रिय सहयोगी बनें। यह तभी संभव है जब किसी विचारधारा या उसके प्रतिनिधि किसी व्यक्ति या संगठन के साथ अपने आपको जोड़ने से पूर्व उसकी ठीक से परीक्षा कर ली जाए। वैसे तो कोई विचारधारा जितनी श्रेष्ठ और महान होगी, उतनी ही वह गहरी भी होगी। ऐसी गहरी विचारधारा जड़ नहीं गतिशील होती हैं, इसीलिए उसे पूर्ण रूपेण समझने के लिए उसे अपने आचरण का अंग बना कर स्वयं को भी उसके साथ गतिमान होना पड़ता है। फिर भी कुछ निश्चित आधारों पर यह परीक्षण अवश्य किया जा सकता है कि कोई विचारधारा हमारे समर्थन, स्वीकरण और सहयोग के योग्य है अथवा नहीं।

इस परीक्षण का सबसे पहला और महत्वपूर्ण आधार है यह देखना कि उक्त विचारधारा के प्रतिनिधि व्यक्ति या संगठन उस विचारधारा को प्रतिष्ठित करने के लिए अपनी विचारधारा की श्रेष्ठताओं को स्वयं उदाहरण बन कर समाज में प्रसारित करने का कार्य कर रहे हैं अथवा वे अन्य विचारधाराओं और उनके प्रतिनिधि व्यक्तियों या संगठनों को गलत और हीन सिद्ध करके अपनी विचारधारा को श्रेष्ठ सिद्ध करने का प्रयत्न कर रहे हैं। जब भी कोई व्यक्ति अन्य किसी व्यक्ति, संगठन या विचारधारा की आलोचना और बुराई करने में अपनी ऊर्जा लगाता है तो इसका सीधा सा अर्थ यह है कि वह व्यक्ति जिस विचारधारा का समर्थक होने का दावा कर रहा है, उसकी श्रेष्ठता में उसका स्वयं का ही विश्वास नहीं है। यदि विश्वास होता तो वह अपनी ऊर्जा उस श्रेष्ठता को अपने आचरण में ढालकर आगे प्रसारित करने में लगाता। अपनी लकीर को बड़ा करने की बजाय दूसरों की लकीर को मिटाकर छोटा करने की वृत्ति हीनभावना की द्योतक है और ऐसे व्यक्ति और संगठन सृजन नहीं केवल विध्वंस कर सकते हैं। रहस्य यह है कि यह विध्वंस भी उस संगठन या विचारधारा का नहीं होता जिसका वे विरोध कर रहे हैं बल्कि वे उसी विचारधारा को नष्ट करने के कारण बनते हैं जिसके वे प्रतिनिधि होने का दावा करते हैं। कोई भी विचारधारा यदि सत्यनिष्ठ सृजन के मार्ग पर चल रही है तो कोई भी नकारात्मक शक्ति उसे नष्ट कर ही नहीं सकती क्योंकि यह प्राकृतिक सत्य के विरुद्ध होगा और यदि वह विचारधारा भी नकारात्मक वृत्ति को लेकर चलने वाली है तो भी उसके नष्ट होने का कारण दूसरों का विरोध नहीं बल्कि उसकी स्वयं की नकारात्मकता ही होगी। इसलिए किसी भी विचारधारा की सबसे पहली परीक्षा यही करें कि उसके प्रतिनिधि व्यक्ति और संगठन अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए तपस्या के मार्ग पर चलने को तत्पर है अथवा दूसरों को गालियां देकर अपने को महान सिद्ध करने का निरर्थक प्रयत्न कर रहे हैं।

परीक्षण का दूसरा आधार है कि जिस विचारधारा के साथ हम संबद्ध हो रहे हैं, वह हमारी किस प्रवृत्ति को उघाड़ती है? यह आत्मनिरीक्षण का विषय है इसलिए इस परीक्षण के लिए हमें थोड़ा अधिक जागृत होने की आवश्यकता है। हम जब भी किसी विचारधारा, संगठन या व्यक्ति के साथ अपने को संलग्न करते हैं तो उसका प्रकट कारण हम कुछ भी बताएं पर प्रारंभिक और मूल कारण यही होता है कि वे किसी न किसी स्तर पर हमारी किसी प्रवृत्ति या भावना को उद्दीप्त करते हैं जो हमें उनसे जुड़ने को प्रेरित करती है। उसी प्रवृत्ति को हमें पहचानने की आवश्यकता है। क्या वह प्रवृत्ति प्रेम, सात्विकता, ज्ञान, जिज्ञासा और बंधुत्व जैसी श्रेष्ठ प्रवृत्तियों में से हैं अथवा क्रोध, घृणा, अहंकार या परछिद्रान्वेषण जैसी नेष्ठ प्रवृत्तियों में से हैं? यदि वह विचारधारा हमारी श्रेष्ठ प्रवृत्तियों को उद्दीप्त करती है तो निश्चित रूप से वह हमें श्रेष्ठता की ओर ले जाने वाली है लेकिन यदि वह हमारी नेष्ठ प्रवृत्तियों को उभाड़ती है तो वह हमें केवल किसी स्वार्थ अथवा दंभ की तुष्टि में ही प्रयुक्त करने का माध्यम बन सकती है।

इसके अतिरिक्त भी किसी विचारधारा को पूर्णतया आत्मसात करने से पूर्व उसके परीक्षण के अनेक आधार हो सकते हैं किंतु उपरोक्त कसोटियों के आधार पर तो प्रारंभ में ही अनिवार्य रूप से परीक्षण कर लेना चाहिए। इस विचार प्रधान युग में विचारधाराओं के संघर्ष से हम सर्वथा अछूते नहीं रह सकते हैं क्योंकि ये संघर्ष हमारे राष्ट्र और संस्कृति को ही नहीं, हमारे परिवारों और व्यक्तिगत जीवन को भी गहराई से प्रभावित करते हैं। इसलिए उचित यही है कि हम किसी नकारात्मक विचारधारा के जड़ साधन बनने की अपेक्षा हमारे जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाने वाली सत्यनिष्ठ विचारधारा के सक्रिय सहयोगी बनें। इसी में हमारा विकास है क्योंकि प्रारंभ में विचारधारा का परीक्षण करके हम विचारधारा को भले ही चुनें लेकिन उसके बाद वह विचारधारा भी हमारा परीक्षण करेगी और उसमें खरे उतरने के लिए हमें अनेक विशेषताओं को अपने भीतर लाना पड़ेगा। विचारधारा जितनी श्रेष्ठ और महान होगी, उसे पूर्णतः आत्मसात करने के लिए हमें भी अपने आप को उतना ही श्रेष्ठ और महान बनाना पड़ेगा। यही साधना का मार्ग है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमें ऐसा ही एक सत्यनिष्ठ विचारदर्शन और साधना मार्ग प्रदान किया है।

अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर स्नेह मिलन संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जयपुर जिला टीम द्वारा अंग्रेजी नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम 1 जनवरी को गोविंदपुरा स्थित मेवाड़ पैराडाइज में आयोजित किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि शाखा एवं शिविरों के माध्यम से संघ जिस सामाजिक शक्ति का सृजन करता है, उसमें हम सब के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। फाउंडेशन के जयपुर जिला प्रभारी रूपेन्द्र सिंह करीरी ने संगठन का परिचय दिया एवं फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक किए गए कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। अनिल सिंह राजावत और रघुनाथ सिंह हड्डपुरा ने भी अपने विचार रखे। जयपुर टीम के बसंत सिंह बरसिंहपुरा, वीरेंद्र सिंह खिंदास, दीपेंद्र सिंह रोजदा सहित स्थानीय समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बीकानेर में राजपूत ई-मित्र संचालकों की बैठक संपन्न

बीकानेर स्थित महिला मंडल स्कूल के परिसर में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में राजपूत ई-मित्र संचालकों की बैठक 8 जनवरी को संपन्न हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाज और देश की सेवा करना क्षत्रिय का दायित्व है। ई-मित्र के रूप में हमें सर्व समाज की सेवा करने का अवसर मिला है। इस दायित्व को हमें पूर्ण निष्ठा से पूरा करना है। सत्येंद्र सिंह बामणिया ने बताया कि ई-मित्र संचालको की समाज के सभी वर्गों तक राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। नरजित सिंह ने ई-मित्र के रूप में कार्य करते हुए आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में बताया। करणी सिंह भेलू, गजेंद्र सिंह लुछ, तनवीर सिंह खारी, कर्णपाल सिंह आलसर सहित अनेक सहयोगी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शहीद को अर्पित किए श्रद्धासुमन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जैसलमेर संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने 6 जनवरी को जैसलमेर जिले के शहीद वीर गुमान सिंह के गांव जोगा पहुंचकर संघ परिवार की ओर से शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं परिजनों को यथार्थ गीता भेंट की। इस दौरान वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला, भंवर सिंह साधना, रणवीर सिंह खुहड़ी, हिंदू सिंह म्याजलार आदि साथ रहे।

राव अमर सिंह राठौड़ की जयंती मनाई

स्वाभिमान के अमर प्रतीक राव अमर सिंह राठौड़ की जयंती नागौर में वीरवर राव अमर सिंह राठौड़ संस्थान के तत्वावधान में 2 जनवरी को मनाई गई। जड़ा तालाब के निकट स्थित अमर सिंह राठौड़ की छतरियों पर अर्चना के पुष्प अर्पित किए गए। इसके पश्चात किले की ढाल स्थित अमर उद्यान में स्थित उनके स्मारक पर एकत्रित होकर समाजबंधुओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। संस्थान के संरक्षक पूर्व प्रधान अजीत सिंह भाटी ने कहा कि सदियां बीतने के बाद भी अमर सिंह राठौड़ के बलिदान को याद किया जाता है क्योंकि उन्होंने अपने स्वाभिमान और आत्मसम्मान को प्राणों से भी अधिक महत्त्वपूर्ण माना। ऐसे वीर ही आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा दिया करते हैं। श्री अमर राजपूत छात्रावास के सचिव देवेंद्र सिंह सैनणी ने बताया कि इस वर्ष का कार्यक्रम भूंगरा गैस त्रासदी के कारण सादगी पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मनोहर सिंह चार्वंडिया, राजेंद्र सिंह संखवास, हनुमान सिंह सरासनी, नारायण सिंह भाटी, गोपाल सिंह डेह, अमर सिंह चार्वंडिया, शंकर सिंह आकेली, अर्जुन सिंह कुंपडास सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

सागुबड़ी में मनाया गिरी सुमेल युद्ध के नायकों का बलिदान दिवस

नागौर जिले के सागुबड़ी गांव में 5 जनवरी को गिरी सुमेल युद्ध के नायकों के बलिदान दिवस पर राव कुंपाजी मेहराजोत के वंशजों ने मातृभूमि के सम्मान की रक्षार्थ बलिदान देने वाले अपने पूर्वजों को स्मरण किया और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। जय सिंह सागुबड़ी ने बताया कि राव कुंपाजी, राव जैता जी, राव जैतसी उदावत, अखेराज सोनिगरा, राव भदाजी, राव पंचायणजी, राव खींवकरणजी सहित अनेक वीर योद्धाओं ने इस युद्ध में अद्वितीय पराक्रम दिखाते हुए मातृभूमि और स्वाभिमान हेतु अपना सर्वस्व बलिदान दिया था। इस युद्ध में शेरशाह सूरी भी राजपूतों की अद्भुत वीरता से घबरा गया था। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने कुंपाजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सौरभ प्रताप सिंह गुजरावास और जसवंत सिंह मुंगेरिया बने लेफ्टिनेंट

सौरभ प्रताप सिंह गुजरावास का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद हेतु चयन हुआ है। इन्होंने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण करके यह उपलब्धि प्राप्त की। सौरभ प्रताप सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं तथा उनके पिता महेंद्र सिंह गुजरावास भी संघ के स्वयंसेवक हैं। इसी प्रकार बाड़मेर जिले के मुंगेरिया गांव निवासी जसवंत सिंह भी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुए हैं। पथप्रेरक परिवार दोनों युवाओं को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करता है।

डॉ. पवन सिंह शेखावत बने विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेश प्रभारी

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ पवन सिंह शेखावत को विश्व आयुर्वेद परिषद चिकित्सक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद सहाय शुक्ला ने 5 जनवरी को अलवर में आयोजित परिषद की क्षेत्रीय बैठक में उन्हें यह दायित्व सौंपा। डॉ पवनसिंह अलवर में पदस्थापित हैं।

हर्षवर्द्धन सिंह को निशानेबाजी में दो पदक

आनसिंह की ढाणी हरदासकाबास निवासी हर्षवर्द्धन सिंह ने रोमानिया के ब्रासोव में आयोजित इंटर सर्विस एयर गन चैंपियनशिप 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अलग अलग इवेंट में एक स्वर्ण व एक कांस्य पदक जीता है।

घनश्याम सिंह राठौड़ बने चेयरमैन

घनश्याम सिंह राठौड़ (एडिशनल एडवोकेट जनरल, राजस्थान सरकार) को बार काउंसिल ऑफ राजस्थान का चेयरमैन चुना गया है। बार काउंसिल की सामान्य सभा की 8 जनवरी को आयोजित बैठक के दौरान उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

देवेन्द्र सिंह बुटाटी बने बुटाटी धाम अध्यक्ष

संत श्री चतुरदास जी महाराज मंदिर विकास समिति बुटाटी धाम, जिला नागौर के अध्यक्ष पद का चुनाव 28 दिसंबर को संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से देवेंद्र सिंह बुटाटी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। देवेंद्र सिंह बुटाटी श्री क्षात्र पुरुषार्थ की जयपुर टीम के सदस्य है।

डॉ प्रेम कंवर पूनमनगर का चिकित्सा अधिकारी परीक्षा में चयन

जैसलमेर के पूनमनगर गांव की निवासी डॉ प्रेम कंवर ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विवि जयपुर द्वारा आयोजित चिकित्सा अधिकारी परीक्षा (2022) में सफलता प्राप्त की है। प्रेम कंवर श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्वयंसेविका है। इनके पिता आंब सिंह शारीरिक शिक्षक हैं।

हिमानी शेखावत बनी डॉक्टर

धमोरा गांव की मूल निवासी एवं वर्तमान में जयपुर में निवासरत हिमानी शेखावत पुत्री विनोद सिंह ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल करके एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में इंटर्नशिप ज्वाइन की है। हिमानी के बड़े भाई गोविंद सिंह का भी रेलवे टेलीकॉम इंजीनियर के पद पर चयन हो चुका है तथा वर्तमान में प्रशिक्षणरत है। इनके छोटे भाई जितेंद्र सिंह भी बीएचयू से एमटेक कर रहे हैं तथा न्यूजेरा कंपनी में इंजीनियर के पद पर चयनित हो चुके हैं।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

शेयर बाजार में INVEST और TRADE करना सीखें
सैनिक, भूतपूर्व सैनिक और उनके बच्चे
50% OFF
Offer valid till 26th January 2023
- Basic to Advanced course about trading.
- Free 3 months hand hold support.
- Free 2 group discussions and Query posting every month.

Call Now to reserve your seat
Rajpal Shekhawat-
98280-80757

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

पूज्य तनसिंह जी के विचार है फाउंडेशन का केंद्रीय बिंदुः संरक्षक श्री

(पेज एक से लगातार)

अब भविष्य में क्या-क्या करना है, इसकी योजनाएं भी लगातार बन रही हैं। पिछले वर्ष 22 दिसंबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती मनाई गई जिसमें सभी जातियों और समुदायों के लोग आए। 2024 में संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी का शताब्दी वर्ष मनाया जाएगा। वह भी समाज को जोड़ने का काम करेगा। श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा किसान सम्मेलन भी इसी उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं। समाज में जो सद्भावना फैल रही है, वह आगे भी इसी तरह से चलती रहे, यही परमेश्वर से प्रार्थना है।

12 जनवरी 2023 को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का पांचवा स्थापना दिवस राजस्थान में कुल 110 स्थानों पर मनाया गया जिसमें फाउंडेशन के सदस्यों और समाजबंधुओं ने उपस्थित रहकर वैधानिक साधनों का प्रयोग करते हुए समाज हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। जयपुर में शेखावत मार्ग (कालवाड़ रोड), रउफ हॉस्पिटल, फच्छळ होटल गोकुलपुरा, सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल वीकेआई एरिया, गिरिराज नगर (करधनी), क्षत्रिय सेवा समिति दादी का फाटक और सुदरपूरा ढाढा में कार्यक्रम आयोजित हुए। कोटपूतली में श्री राजपूत छात्रावास के अतिरिक्त सरुण्ड, टसकोला और नारेहड़ा में कार्यक्रम हुए। बाड़मेर शहर में आलोक आश्रम और कृष्णा छात्रावास में कार्यक्रम हुए। बाड़मेर जिले के गडरा रोड, शिव, धोरीमन्ना, चौहटन, बालोतरा और सिवाना में भी कार्यक्रम हुए। जैसलमेर शहर में तनाश्रम में कार्यक्रम हुए। जैसलमेर जिले के ओला, फलसूंड, साकड़ा, ताडाना, राजगढ़, कुंडा, भैंसड़ा, चांधन, झिनझिनयाली, पोकरण, मोहनगढ़, फतेहगढ़ और राजमथाई में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। जोधपुर में हनवंत छात्रावास, शिव मंदिर बीजेएस, जय भवानी नगर (बासनी), राजपूत सभा भवन चांदसमा, मेजर शैतान सिंह राजपूत छात्रावास फलोदी, मेहोजी मंदिर बापिणी, इंदो का बास लोहावट, ओम गुरु कृपा विद्यालय ऊंटवालिया, मनजीतिया (बाप), राजपूत छात्रावास ओसियां, ग्राम पंचायत चामू, पिचियाक (बिलाड़ा) और खांगटा (भोपालगढ़) में कार्यक्रम आयोजित हुए। उदयपुर जिले में उदयपुर, झाडोल, गोगुंदा, भेकड़ा (कुराबड), जावरमाइंस और मावली में कार्यक्रम हुए। नागौर जिले में राजपूत छात्रावास कुचामन सिटी, राजपूत सभा भवन डीडवाना, राजपूत छात्रावास खींवसर, राजपूत छात्रावास नागौर, राजपूत सभा भवन जायल, राजपूत छात्रावास मेड़ता, मीरा गार्डन परबतसर, नैणिया (परबतसर) निंबीजोधा, मामड़ोदा, डेगाना और लाडनूं में कार्यक्रम आयोजित हुए। पाली जिले में पाली शहर , जोजावर, रानी, सोजत, बाली, मारवाड़ जंक्शन और सुमेरपुर में स्थापना दिवस मनाया गया। चित्तौड़गढ़ में शहर स्थित भूपाल छात्रावास के अलावा कांकरवा, रावतभाटा, बस्सी (गोपालपुरा) और निंबाहेडा में कार्यक्रम हुए। भीलवाड़ा जिले में कुम्भा ट्रस्ट (भीलवाड़ा), गंगापुर, शाहपुरा, झालरा व आसींद में स्थापना दिवस मनाया गया। अजमेर में नागोला, अरवड़ गढ़ गोयला, सरवाड़ और राजपूत छात्रावास अजमेर में कार्यक्रम हुए। चुरू के सरदारशहर, तारानगर, सादुलपुर, रतनगढ़ और सांडवा में कार्यक्रम हुए। सीकर जिले में बरसिहपुरा (दांतारामगढ़), महालक्ष्मी विवाह स्थल (सीकर), दुर्गा महिला विकास संस्थान (सीकर) और बिंजासी में कार्यक्रम हुए। बीकानेर जिले में राजासर भाटियान, छतरगढ़, नोखा और बीकानेर शहर में कार्यक्रम हुए। नाथद्वारा (राजसमंद) में और झालावाड़ के श्री हरिश्चंद्र राजपूत छात्रावास में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। झुंझुनू के सुलताना में भी कार्यक्रम हुआ। गंगानगर में राजपूत सभा भवन गंगानगर और सूरतगढ़ में कार्यक्रम हुए। करणपुर, रायसिंहनगर और हनुमानगढ़ में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। जालौर में राजपूत छात्रावास रानीवाड़ा और सिरोही में उथमण में कार्यक्रम हुए। टोडरायसिंह टोंक और धौलपुर में भी स्थापना दिवस मनाया गया।

(पृष्ठ एक का शेष)

जगन्नाथपुरी...

संस्थान के प्रतिनिधियों ने माननीय संघप्रमुख श्री और सभी यात्रियों का स्वागत किया। शाम को सभी ने भुवनेश्वर स्थित लिंगराज मंदिर के दर्शन किए। इस मंदिर में शिवलिंग के स्थान पर शालिग्राम की पूजा होती है। दोपहर एवं शाम का भोजन ओडीशा माइनिंग कॉरपोरेशन के सभागार में किया जहां संस्थान के निदेशक भी उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक एवं आईएएस अधिकारी बलवंत सिंह कालेवा भी इस दौरान उपस्थित रहे। 11 जनवरी की रात्रि को सभी दंपत्ति रेल द्वारा शक्तेशगढ़ स्थित स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के आश्रम जाने के लिए रवाना हुए। शिविर में जयपुर, मेवाड़ मालवा, सूरत, जालौर, मेवाड़ वागड़, जोधपुर, बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, मध्य गुजरात, गोहिलवाड, उत्तर गुजरात आदि संभागों से लगभग 125 दंपती सम्मिलित हुए। यात्रा के विस्तृत समाचार अगले अंक में प्रकाशित होंगे।

पूज्य श्री तनसिंह जी जयंती की पूर्व तैयारी बैठक संपन्न

गुजरात में बनासकांठा प्रांत के लिबोई में 22 जनवरी को पूज्य श्री तनसिंह जयंती के उपलक्ष में होने वाले समारोह की पूर्व तैयारियों हेतु वडगाम के केशवधाम में तैयारी बैठक 9 जनवरी को आयोजित की गई। बैठक के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों में समारोह के प्रचार-प्रसार हेतु संपर्क करने की योजना बनाई गई एवं तदनुसार दायित्व सौंपे गए। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ दो का शेष)

(पृष्ठ दो से लगातार)

बीकानेर संभाग में डूंगरगढ़ प्रांत के पुंदलसर गांव स्थित ग्राम पंचायत भवन में सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन खींव सिंह सुलताना ने किया। शिविर के अंतिम दिन उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए शिविर संचालन ने कहा कि सात दिनों के इस शिविर में हमने स्वयं को और अपनी संस्कृति व इतिहास को जानने का प्रयास किया। हमने शिविर के विभिन्न कार्यक्रमों में उन संस्कारो का भी अभ्यास किया जिनसे हम कर्तव्य पालन के मार्ग पर चलने में सफल हो सकें। जो अभ्यास हमने किया वो निरंतर बना रहे इसके लिए हमारा संपर्क संघ से सदैव बना रहना आवश्यक है। इसका माध्यम शाखा और शिविर है। शिविर में बीकानेर संभाग के अलावा शेखावाटी और नागौर संभाग के युवकों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर की संख्या 70 रही। जेठू सिंह पुंदलसर, उम्मेद सिंह पुंदलसर, किशोरीलाल पुरोहित व सभी ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। जैसलमेर संभाग के रामदेवरा-नाचना प्रांत के आसकंद्रा गांव में भी एक माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन राजेंद्र सिंह आलसर ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमारा मार्ग त्याग और बलिदान का रहा है। इस मार्ग पर चले बिना हम विश्व के कल्याण में सहयोग नहीं कर सकते हैं। हमारे समाज ने जितना बलिदान और त्याग किया, वैसा उदाहरण और कहीं भी नहीं मिलता। फिर भी आज हम उस मार्ग को भूल गए हैं और वही हमारी वर्तमान दुर्दशा का कारण है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमें वही मार्ग पुनः उपलब्ध कराया है। हमारा कर्तव्य तो यही है कि हम इस पर दृढ़ता पूर्वक चलते रहें। शिविर में नाचना, ताड़ाना, फलसुंड, आसकंद्रा आदि गांवों के 75 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। धर्मपाल सिंह आसकंद्रा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

मध्यप्रदेश में कचनारा (मंदसौर) में चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 28 से 31 दिसंबर की अवधि में संपन्न हुआ। केन्द्रीय कार्यकारी प्रेमसिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि श्री कृष्ण अपने बाल्य काल में बहुत नटखट रहे। माखन चुराते, वृंदावन में मित्रों के साथ खेलते और शरारत करते उनका बचपन बीता। लेकिन सांदीपनी ऋषि के संपर्क में आने के साथ ही उनका नटखटपना छूट गया। वे अपने कर्तव्य पथ पर बढ़ चले और फिर कभी वृंदावन लौट कर नहीं गए। हमारा भी जीवन श्री कृष्ण के बाल्यकाल जैसा ही है। हमारी उर्जा हमें शांत बैठने नहीं देती है, हम कुछ न कुछ हलचल करते ही रहते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी हमारे जीवन में सांदीपनी ऋषि की तरह ही आया है जो हमें हमारे कर्तव्य की याद दिला रहा है। आपके चेहरे की गंभीरता यह बता रही है कि आपने भी अपने कर्तव्य को पहचान कर उसके पालन का निश्चय कर लिया है। इस निश्चय को और अधिक दृढ़ बनाने के लिए आवश्यक है कि आप संघ के निरंतर संपर्क में रहें। शिविर में अंगारी, बोरखेड़ी देवड़ा, नागखजूरी, देवरिया विजय, किशोरपुरा, रूपारेल आदि गांवों से 125 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा स्थानीय समाजबंधुओं ने मिलकर संभाला। मध्यप्रदेश के मंदसौर में ही पिपलिया

मंडी स्थित नेचुरल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भी एक बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 28 दिसंबर तक आयोजित हुआ। शिविर में 151 बालिकाओं ने प्रशिक्षण लिया। शिविर संचालिका लक्ष्मी कंवर खारडा ने बालिकाओं से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज सुधार की बात नहीं करता है बल्कि अपने निर्माण की बात करता है। अपने जीवन में व्यवहारिक रुप से सुधार लाने में ही समाज की सच्ची सेवा है। इस शिविर में आपके जीवन में बदलाव का जो क्रम प्रारंभ हुआ है उसे रुकने नहीं देना है। इसलिए ध्यान रखें कि आपने यहां जो कुछ भी प्राप्त किया है, वह कहीं बाहर के विपरीत वातावरण में लुप्त नहीं हो जाए। आपने इस शिविर में रहकर जो कुछ भी क्षत्रिय संस्कारों का प्रशिक्षण लिया है, जो संस्कार अपने जीवन में ढालने का अभ्यास किया है, उसको नियमित रखें। बाड़मेर संभाग के चौहटन प्रांत में भी बालिकाओं का चार दिवसीय शिविर इसी अवधि में रामसर गांव में संपन्न हुआ। कैलाश कंवर मुंगेरिया ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बालिकाओं को बताया कि क्षत्रिय परंपरा और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए क्षत्राणियों ने सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में भी क्षात्र तेज को बनाए रखने के लिए बालिकाओं को संस्कारवान बनकर धर्म व नीति के मार्ग पर चलना होगा। संघ हम सभी को इसी के लिए प्रशिक्षित कर रहा है। शिविर में रामसर, जयसिंधर, आकोडा, दूधवा, गंगासरा, केलनोर, सिवाना, बालोतरा आदि स्थानों से 216 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समन्दर सिंह व मोहनसिंह रामसर ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। सीकर जिले की धोद तहसील के दूजोद गांव में भी इसी अवधि में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर का संचालन किशन सिंह गोरीसर ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि शिविर की सभी गतिविधियों में जीवन शिक्षण की गहरी बातें हैं जिन्हें हमें अपने व्यवहार का अंग बनाना है। इसलिए पूरे मनोयोग से यहां के निदेर्शों का पालन करें। शिविर के समापन पर आयोजित विदाई कार्यक्रम में स्थानीय समाजबंधु भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह, पुखराज सिंह, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम सिंह, सुरेंद्र सिंह, गिरधारी सिंह, जगदीश सिंह, गजेंद्र सिंह राजपुरा आदि प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे । शिविर में सीकर, चुरू, झुंझुनूं व नागौर जिले के 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। उदयपुर में बेमला स्थित गुरुकुल कॉलेज परिसर में भी श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 1 से 4 जनवरी तक आयोजित हुआ जिसमें बेमला, भेकडा, चौहानों का गुडा, सेजलाई, शिशवी, बग्गड, टांक, लिम्बावास, जेलाई, नया तालाब, नवल सिंह जी का गुड़ा, टिलोरा, बाठरड़ा, मुण्डोल, कच्छेर, सतावल, झालोका गुड़ा, साकरिया, सुलावास, साकरिया खेडी, बंबोरा, वाजनगढ, मायदा, वानू, करमाल, राठौडा तलाई, औनार सिंह जी की भागल, राठौडो का गुड़ा, गुंपडा आदि गांवों के 160 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाड़मेर, बीकानेर, बांसवाडा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, जोधपुर आदि जिलों से भी युवक शिविर में उपस्थित रहे। शिम्भु सिंह आसरवा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि जो प्रशिक्षण आपको यहां मिला है उसे जीवन में ढालने में ही उसकी सार्थकता है। निरंतरता और नियमितता से प्रयास किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है इसलिए संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते रहें। शिविर के दौरान 3 जनवरी को कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें डॉ. नटवर सिंह डोडिया (सेवानिवृत्त प्रोफेसर), विमलेन्द्र सिंह चिमनपुरा (तहसीलदार), जितेन्द्र सिंह गोगाथल (बीडीओ), डॉ. कमल सिंह बेमला (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। जितेंद्र सिंह मायदा ने शूटिंग (निशानेबाजी) में उपलब्ध अवसरों के बारे में बताया। शिविर के अंतिम दिन स्नेहमिलन कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें रणधीर सिंह भीण्डर, मदन सिंह बंबोरा, उदय सिंह सेजलाई, रणजीत सिंह सिंहाड, गुरूकुल कॉलेज के संस्थापक दिनेश माली, नाथू सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। आर्थिक सहयोग बेमला परिवार द्वारा किया गया। मदन सिंह भेकडा, लोकेन्द्र सिंह बेमला, नरेन्द्र सिंह भेकडा, मोहब्बत सिंह भैंसाणा, शूरवीर सिंह सोडावास, चन्द्रविजय सिंह भेकडा, अमर सिंह झालो का खेडा आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया।

बांकावत बंधुओं का बलिदान दिवस मनाया

सीकर जिले की दांतारामगढ़ तहसील में बाकेराजा श्री भगवानदास स्मृति संस्थान के तत्वावधान में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुशवाह (कछवाह) बाके राजा भगवान दास जी के पौत्र और अखेराज जी के पुत्र कुँवर अभयराम, कुँवर विजयराम व कुँवर श्यामराम जी बांकावत का 417वां बलिदान दिवस सवाईपुरा गांव स्थित राजपूत सभा भवन में मनाया गया। 28 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम लवाण राजकुमार एडवोकेट यशदीप सिंह बांकावत और राजपुत सभा दौसा के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह चौहान की उपस्थिति में संपन्न हुआ। संपत सिंह कैलाई और सुरेंद्र सिंह गुढ़ा सम्पतपुरा ने बांकावतों के इतिहास पर प्रकाश डाला। शक्ति सिंह बांदीकुई और पृथ्वीराज सिंह भांडेडा ने इतिहास, धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए त्याग और बलिदान के बारे में बताते हुए उनके मार्ग पर चलने की बात कही। माधो सिंह चौहान ने सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम की बात कही। बलवंत व्यायामशाला के युवाओं द्वारा लाठी चलाने और तलवारबाजी का प्रदर्शन भी किया गया। मंच संचालन चतुर्भुज सिंह कैलाई द्वारा किया गया। इस अवसर पर आस-पास के गांवों से सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा कैरियर कार्यशाला का आयोजन

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा 8 जनवरी को संघशक्ति, जयपुर में आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए कैरियर संबंधी मार्गदर्शन के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी व सफल समाजबंधुओं द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। प्रदीप सिंह नेवरी ने कृषि आधारित रोजगार और कृषि संबंधित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कृषि सबसे उत्तम रोजगार है और किसी भी विषय-वर्ग का विद्यार्थी कृषि के क्षेत्र में अध्ययन कर सकता है। उन्होंने नवीन कृषि तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी। राजेंद्र सिंह विजयपुरा ने पॉलिटेक्निक के संबंध में जानकारी प्रदान की। नरेंद्र सिंह छापरी व भूपेंद्र सिंह थेपड़ी ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर निर्माण के अवसरों के बारे में बताया। भवानी सिंह ने भारतीय सेना में कैरियर बनाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। अभिषेक सिंह नरूका ने योग शिक्षक के रूप में कैरियर निर्माण की संभावनाओं के बारे में बताया। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित रामकुमार सिंह ने अपने अनुभव बताते हुए युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विजय सिंह ने संकल्प और इच्छाशक्ति को दृढ़ रखते हुए अध्ययन करने की बात कही। बलवीर सिंह हाथोज ने मर्चेंट नेवी में कैरियर बनाने के संबंध में जानकारी दी। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सान्निध्य भी विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे प्रिय स्वयंसेवक साथी

सौरभप्रताप सिंह

पुत्र महेन्द्र सिंह गुजरावास

के **भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट**

(UPSC CDS) के पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु:

प्रेमसिंह रणधा	चन्द्रवीरसिंह देणोक	भरतपालसिंह दासपा	हरिसिंह ढेलाणा	भैरूसिंह बेलवा
भवानीसिंह मूंगेरिया	सुमेरसिंह चोरड़िया	अमरसिंह गोपालसर	चैनसिंह साथीन	भवानीसिंह पीलवा
सोहनसिंह कालेवा	नरपतसिंह बस्तवा	रूपसिंह परेऊ	पदमसिंह ओसियां	लूणकरण सिंह तेना
जसवंतसिंह चाबा	समुन्द्रसिंह आचीणा	प्रेमसिंह परेऊ	बाबूसिंह बापिणी	जसवंतसिंह जैतसर
करणीपाल सिंह गावड़ी	दीपसिंह टालनपुर	पाबूसिंह लवारन	शिवसिंह बड़ला	रघुवीरसिंह खिरजां (प्रथम)
देवेन्द्रसिंह सहनाली	सुरेन्द्रसिंह रूद	मदसिंह आसकन्दरा	नाथूसिंह बालेसर सता	रावलसिंह खनोड़ी
गुलाबसिंह बस्तवा	उत्तमसिंह नाहरसिंह नागर	अचलसिंह खियासरिया	शंकरसिंह डेरिया	भोमसिंह लवारन
नरेन्द्रपाल सिंह खिरजां	नरपतसिंह रामदेरिया	अर्जुनसिंह झिनझिनयाला	लक्ष्मणसिंह गुड़ानाल	गोपालसिंह ताम्बड़िया

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org